

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने उच्च शिक्षा में नये संकाय-सदस्यों के लिए महीने भर चलने वाले ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम का किया समापन

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 2025

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने 10 जून से 8 जुलाई 2025 तक आयोजित अपने 19वें ऑनलाइन एक-मासिक फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी) का सफलतापूर्वक समापन किया। यह कार्यक्रम 'गुरुदक्षता' दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किया गया था ताकि नवनियुक्त संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप आवश्यक शैक्षणिक, नैतिक और व्यावसायिक दक्षताओं से लैस किया जा सके।

उच्च शिक्षा की समग्र समझ को बढ़ावा देने और चिंतनशील शिक्षण पेशेवरों को विकसित करने के उद्देश्य से, एफआईपी में देशभर के प्रतिष्ठित विद्वानों, शैक्षणिक लीडर्स और नीति निर्माताओं द्वारा 96 विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए।

इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों के शुरुआती करियर वाले 181 संकाय सदस्यों ने भाग लिया, जो उच्च शिक्षा के सार्वजनिक और निजी दोनों संस्थानों का प्रतिनिधित्व करते थे। कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक समन्वयन प्रोफेसर सविता कौशल और डॉ. डोरी लाल (एसोसिएट प्रोफेसर), आईएएसई, शिक्षक प्रशिक्षण और अनौपचारिक शिक्षा विभाग, जेएमआई द्वारा एमएमटीटीसी-जेएमआई की मानद निदेशक प्रोफेसर कुलविंदर कौर के नेतृत्व में एक समर्पित शैक्षणिक और प्रशासनिक टीम के सहयोग से किया गया।

पूरे भारत से विभिन्न संस्थानों के प्रख्यात विशेषज्ञ और रिसोर्स पर्सन; जिनमें- जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी), हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएच), और विनोबा भावे विश्वविद्यालय जैसे राज्य और विशिष्ट विश्वविद्यालयों ने उच्च शिक्षा नीतियों और पारिस्थितिकी तंत्र, पाठ्यक्रम डिजाइन, अनुसंधान में नैतिकता और अखंडता, प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षा, छात्र जुड़ाव, सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), और व्यावसायिक विकास पर समृद्ध व्याख्यान दिए। इस महीने भर के अकादमिक विमर्श में नीति, अभ्यास और शिक्षाशास्त्र के दृष्टिकोणों को एकीकृत किया गया।

उद्घाटन सत्र ने रणनीतिक योजना और प्रबंधन पर प्रो. फुरकान कमर और संवैधानिक मूल्यों और एसडीजी के साथ संबंधों पर प्रो. प्रणव कुमार के व्यावहारिक व्याख्यानों के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रो. एस.पी. मल्होत्रा, प्रो. इंद्राणी भादुड़ी (एनसीईआरटी), और प्रो. रमेश सी. शर्मा (एयूडी) जैसे प्रख्यात वक्ताओं ने नवीन मूल्यांकन, उच्च शिक्षा सुधार और डिजिटल शिक्षाशास्त्र जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर संबोधित किया।

प्रो. वी.पी. यादव (पूर्व अध्यक्ष, बीएसईएच), प्रो. जेसी अब्राहम (डीन, शिक्षा संकाय, जेएमआई), प्रो. अंजुम सिबिया (एनसीईआरटी), और प्रो. सी.बी. शर्मा (वीसी, विनोबा भावे विश्वविद्यालय) ने सिद्धांत और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि का एक समृद्ध मिश्रण प्रस्तुत किया। बौद्धिक संपदा अधिकार, साइबर सुरक्षा,

ब्लेंडेड लर्निंग, मूक्स और निर्देशात्मक डिजाइन पर कौशल-आधारित कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिससे प्रतिभागियों की व्यावसायिक क्षमताओं में वृद्धि हुई।

उच्च शिक्षा की बहु-विषयक प्रकृति को स्वीकार करते हुए, कार्यक्रम ने शिक्षा के कानून, जन स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, पर्यावरण, पर्यटन और अंतरिक्ष नवाचार के साथ अंतर्संबंधों की भी पड़ताल की। यूजीसी, एनसीईआरटी, एनआईपीए और शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ प्रशासकों ने मूल्यवान संस्थागत और नियामक दृष्टिकोण साझा किए। भावनात्मक बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य, कार्य-जीवन संतुलन और शिक्षक नेतृत्व पर सत्रों में शैक्षणिक तनाव प्रबंधन, मार्गदर्शन, जीवन कौशल और परामर्श पर ध्यान केंद्रित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 21 जून को सागर विश्वविद्यालय के डॉ. गणेश शंकर गिरि द्वारा समग्र स्वास्थ्य के लिए योग पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया, जो सभी के कल्याण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार्यक्रम के अंतिम सप्ताह में प्रतिभागियों द्वारा विषय-आधारित प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें बताया गया कि वे एफआईपी से प्राप्त सीख को अपने विषय-विशिष्ट शिक्षण पद्धतियों में कैसे समाहित करेंगे। कार्यक्रम के दिशानिर्देशों के अनुसार मूल्यांकन और ग्रेडिंग के लिए समन्वयकों द्वारा एक ऑनलाइन MCQ परीक्षा आयोजित की गई। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा विचारोत्तेजक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विकसित हो रहे उच्च शिक्षा परिवेश में संकाय की परिवर्तनकारी भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया। प्रो. एस. के. पांडा (पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई और पूर्व निदेशक, स्ट्राइड, इग्नू) ने राष्ट्रीय ऋण ढाँचे-2023 और पाठ्यक्रम सुधारों पर एक गहन व्याख्यान दिया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप योग्यता-आधारित, बहु-विषयक शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. एन. वी. वर्गीस (प्रतिष्ठित विजिटिंग प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे) ने उच्च शिक्षा में अनुसंधान पर बात की और वैश्विक रुझानों, नीतिगत ढाँचों और अनुसंधान-सक्षम वातावरण बनाने में संकाय की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

अंतिम सत्र में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अपर सचिव (पीएमपीवाई एवं डिजिटल शिक्षा ब्यूरो) श्री आनंदराव वी. पाटिल ने समावेशी एवं मूल्य-आधारित शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका पर एक प्रभावशाली समापन वक्तव्य दिया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत संचालित प्रमुख नीतिगत पहलों और विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक सुधारों पर अपनी राय साझा की। सत्र के दूसरे भाग में, प्रो. कुलविंदर कौर ने एमएमटीटीसी, जामिया के भविष्य के प्रयासों को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया और सुझाव आमंत्रित किए। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की समग्र रूपरेखा, इसके समन्वयकों, संसाधन व्यक्तियों, निदेशक और उनकी टीम की भरपूर सराहना की। इसके बाद, प्रो. कौशल, डॉ. डोरी लाल और प्रो. कौर ने प्रतिभागियों को उनकी बहुमूल्य प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें न केवल भविष्य के लिए तैयार शिक्षक, बल्कि अपने छात्रों के लिए एक जिम्मेदार मार्गदर्शक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन एमएमटीटीसी टीम की ओर से डॉ. शहला तरनुम द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी